SI. No.	Name of the foreign banks, Indian banks and financial institutions	Amount out-standing as on 30.9.95 (Rs. in crore)
2.	M/s. I.C.I.C.I.	58.75
3.	M/s. Karnataka State Industrial Investment and Development Corporation Limited	17.67 (As on 30.6.95)
4.	M/s. Bihar State Credit and Investment Corporation	7.20
5.	M/s. Bihar State Financial Corporation	4.91
6.	M/s. Tamil Nadu Industrial Investment Corporation Limited	4.10
7.	M/s. L.I.C.	2.42

सरकार का वित्तीय, राजकोषीय और राजस्व घाटा

875. **श्री सोमपाल** : क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चालू, वित्त वर्ष में सरकार के वित्तीय, राजकोषीय एवं राजस्व घाटे की अद्यतन स्थिति क्या है;

(ख) सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में इनका प्रतिशत क्या है;

(ग) क्या यह घाटा बजट अनुमानों के अनुरूप है;

(घ) यदि नहीं, तो बजट अनुमानों के अनुपात में इनमें कितना-कितना अंतर है और वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक यह अन्तर कितना होने की संभावना है;

(ड) इस अन्तर के मुख्य कारण अथवा कारक क्या रहे है; और

(च) विभिन्न घाटों को सीमित एवं नियमित करने के लिए सरकार आगामी महीनों में क्या ठोस उपाय करने जा रही है?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा0 देबी प्रसाद पाल) : (क) से (ग) ब्यौरे निम्नानुसार है:-

	बजट अनुमान 1995-96 (करोड़ रुपये)	सकल घरेलू उत्पाद में 1 का प्रतिशत	सितम्बर, 1995 तक अनन्तिम आंकड़े (करोड़ रुपये)	सकल घरेलू उत्पाद में 3 का प्रतिशत
	1	2	3	4
बजट घाटा	5000	0.5	12987	1.2
राजस्व घाटा	35541	3.4	7273	0.7
वित्तीय घाटा	57634	5.5	28298	2.7

(घ) यह स्थिति 1996-97 के बजट दस्तावेजों में प्रतिबिम्बित होगी।

(ड) और (च) जब कभी भी कुल व्यय और ऋण-भिन्न प्राप्तियों में अन्तर होता है तो सरकार उधार लेने के लिए मजबूर हो जाती है । सरकार प्राप्तियों को अधिकाधिक बढ़ाकर और व्यय को नियंत्रित करके विभिन्न घाटों को बजटीय स्तर तक बनाए रखने का प्रयास करेगी।

Setting up of FM Stations in State Capitals

876. SHRI SARADA MOHANTY: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Government have considered the proposal to set up F.M. stations in every state capital;